सक्सेस स्टोरी-1

नाम – शाहजहॉ बेगम
पता – तकिया मुहल्ला, वार्ड नं0–13
डुमरॉव (बक्सर) बिहार।
मो0– 9502083301

नगर निकाय का नामः– नगर परिषद् डुमरॉव
पता– डुमरॉव–विक्रमगंज रोड़, नियर राज अस्पताल, डुमरॉव (बक्सर)
पिन कोड़– 802119, बिहार

"स्वावलंबी होना ही कामयाबी का हिस्सा है।"

शाहजहॉ बेगम, 45 वर्षीय महिला बहुत ही गरीब परिवार से थी। करीब 20–22 साल पहले शाहजहॉ की शादी तकिया मुहल्ला, वार्ड–13, डुमरॉव में हुई थी। शादी के बाद जब वह ससुराल आई तो घर की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। वह एक–दो माह जैसे–तैसे घर चलाई, फिर गरीबी से तंग आकर दुसरों के घरों में बर्त्तन धोने एवं झाड़ू–पोछा करके घर चलाने लगी थी। इसी बीच उनके 09 बच्चे हो गये, बच्चों का पालन–पोषण, घर चलाना और भी मुश्किल हो गया। शाहजहॉ बेगम के पति का कोई कमाई का जरिया नही था। किसी तरह कुछ कमाते भी थे, तो शराब पीकर उड़ा देते थे। घर में रोज शाहजहॉ बेगम के साथ मार–पीट भी करते थे। शराब पीने के कारण उनको कई प्रकार की बिमारी भी हो गयी। ऑख से कुछ भी दिखाई नहीं देता था तथा घर पर बैठ कर ही खाते थे। शाहजहॉ बेगम किसी तरह घर चला रही थी। सभी परिवार सुबह खाना खाते थे, तो रात में भुखे रहकर सो जाते थे। परिवार में भूखमरी से हालत बहुत खराब हो गयी।

"DAY-NULM से जुडाव एवं आर्थिक स्थिति में बदलाव"

शाहजाहॉ बेगम बताती है, कि वर्ष 2017 में जब उन्हे "राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन" के अन्तर्गत कार्यरत आजीविका दीदी के द्वारा स्वयं सहायता समूह के बारे में बताया गया कि कैसे समूह से जुडकर छोटी–छोटी बचत कर अपने आजीविका में सुधार लाया जा सकता है और साथ ही सरकार के विभिन्न योजनाओं से जुडकर योजनाओं का लाभ भी मिल सकता है। प्रारंभ में आजीविका दीदी के द्वारा बताये गये बातो पर ज्यादा ध्यान नही दी, और जैसे–तैसे अपनी और अपने परिवार का भरण–पोषण करती रही। शाहजहॉ बताती है कि वर्ष 2017 में उनके पति को टीबी का बिमारी हो गया और इलाज नहीं होने के कारण उनके पति की मृत्यु हो गई। उसके बाद वह और भी दुःखी रहने लगी थी। तभी उनकी पडोस में रहने वाली आजिविका दीदी ने स्वयं सहायकता समूह से जुडने का अनुरोध किया था और बताया की समूह से जुडकर आपकी मानसिक एवं आर्थिक स्थिती में बदलाव आयेगी।

शाहजाहॉ बेगम ने बहुत सोचने के बाद जनवरी, 2018 में ***"सरबरी स्वयं सहायता समूह"*** से जूड़ गई और छोटी–छोटी बचत कर एवं समूह से ऋण लेकर फुटपाथ पर एक अण्डा का छोटा सा दुकान खोल कर अपने बेटे को अण्डा बेचने का कार्य शुरू करा दी और खुद ही घर पर 100 मुर्गी और 10 बकरी लेकर पालन–पोषण करने लगी और धीरे–धीरे आर्थिक स्थिति में सुधार आना शुरू हो गया। इस

NAGAR PARISHAD DUMRAON

छोटी शुरूआत से उनकी हिम्मत और हौसले में मानों पंख लग गये तथा उनके परिवार की आर्थिक स्थिती भी पहले की अपेक्षा बहुत अच्छा हो चुका है।

,,

समूह में बैठक करती हुई शाहजाहॉ बेगम

शाहजाहॉ बताती है की DAY-NULM के स्वरोजगार कार्यक्रम (SEP-I) के अंतर्गत ऋण की प्राप्ति के लिये समूह के बैठक में आजीविका दीदी एवं CMM द्वारा स्वरोजगार कार्यक्रम (SEP-I) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी एवं आत्मनिर्भर बनने की बात कही गई। उनके द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिलवाया गया है जैसेः–

1. उज्जवला गैस योजना
2. प्रधानमंत्री जन–धन योजना
3. जीवन ज्योति बीमा योजना
4. सबके लिए आवास योजना (शहरी)
5. स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) योजनान्तर्गत शौचालय का निर्माण

इन सभी योजनाओं का लाभ मिलने से उनका हौसला और बढ़ गया साथ ही आजीविका दीदी और CMM सर के सहयोग से DAY-NULM के स्वरोजगार कार्यक्रम (SEP-I) के अंतर्गत ऋण की स्वीकृति प्राप्ति हुई है, बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा प्राप्त हुआ। उक्त ऋण से उन्होने अपने छोटे अण्डे के दुकान को अब और बड़ा कर दी एवं पशुपालन भी बड़ा कर दी है साथ ही अपने बच्चो को पढ़ाना–लिखाना भी शुरु कर दी है। उन्होने जो दुःख झेली है, वैसे दुःख में अपने बच्चों को नहीं देखना चाहती है। आज वे अपने घर में सभी आधुनिक सुविधा उपलब्ध कर के अपने परिवार के साथ खुशी पूर्वक जीवन–यापन कर रही है। आज शाहजहॉ बेगम बहुत खुश रहती है। शाहजहॉ बेगम ने अपने आत्मनिर्भरता एवं आत्म विश्वास के बल पर अपने जीवन को बदल लिया। अब अपनी ही नहीं बल्कि समाज की हर गरीब महिलाओं को समूह में जोडकर एवं छोटी–छोटी बचत कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनने की बात बताती है।

NAGAR PARISHAD

बकरी पालन करती शाहजाहॉ बेगम

(संदेश)

शाहजहॉ बेगम कहती है की "अपनी तकदीर बदलनी है तो आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनने से ही बदलाव सम्भव है।"

NAGAR PARISHAD DU